Dainik Bhaskar (Indore), 21st November 2024, Page-01

भास्कर खास • ईसीजी व पेसमेकर में इस्तेमाल होने वाली चिप को बेहतर बनाएगी तकनीक

आईआईटी इंदौर की तकनीक से और प्रभावी होगी ईसीजी रिपोर्ट पेसमेकर की दक्षता बढ़ेगी, दिल के रोगों का इलाज आसान होगा

भास्कर संवाददाता | इंदौर

हार्ट संबंधित बीमारियों का निदान करने में ईसीजी उपकरण की विश्वसनीयता अहम होती है। इसके परिणाम पर ही डॉक्टर्स बीमारी की गंभीरता देख कर इलाज का निर्णय लेते हैं। आईआईटी इंदौर ने एक तकनीक विकसित की है, जो इलेक्ट्रो कार्डियोग्राम (ईसीजी) उपकरणों और कार्डियक पेसमेकर की दक्षता और विश्वसनीयता को बढ़ाएगी। इसके आधार पर इलाज बेहतर हो सकेगा। इस तकनीक को पेटेंट मिल गया है। इसके परिणाम रिसर्च पत्रिका नेचर साइंटिफिक रिपोर्ट्स में भी प्रकाशित हुए हैं।

आईआईटी इंदौर के प्रिंसिपल इन्वेस्टिगेटर प्रोफेसर अनिर्बन सेनगुप्ता के नेतृत्व में पीएचडी छात्र आदित्य अंशुल व टीम ने तकनीक विकसित की है। नवाचार तकनीक का फोकस वीएलएसआई सेमीकंडक्टर और बायोमेडिकल इंजीनियरिंग से संबंधित है। आईआईटी ने ईसीजी उपकरण और पेसमेकर में इस्तेमाल होने वाली चिप को बेहतर बनाने के लिए यह तकनीक विकसित की है। प्रो. सेनगुप्ता बताते हैं, इस तकनीक से ईसीजी उपकरण और कार्डियक पेस मेकर को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। लोगों की सेहत की स्थिति का सटीक विश्लेषण हो सकेगा। सटीक परिणाम से मरीज का इलाज समय पर हो सकेगा।

तकनीक का प्रदर्शन करते आईआईटी के छात्र।

हृदय रोग के मामलों में समय पर सटीक इलाज मिल पाएगा

आईआईटी के निदेशक प्रोफेसर सुहास जोशी के अनुसार, दिल से संबंधित मामलों में बीमारी की स्थिति पता करना सबसे महत्वपूर्ण है। ईसीजी में इलेक्ट्रोड के माध्यम से हृदय के विद्युत संकेतों को कैप्चर कर दिल के स्वास्थ्य का आकलन करते हैं। ऐसे ही ईसीजी डिटेक्टर कार्डियक पेसमेकर के अभिन्न अंग हैं, जो रोगियों में हृदय की लय को नियंत्रित करने में मदद करते हैं। इसलिए ईसीजी की रीडिंग विश्वसनीय होनी चाहिए। आईआईटी की इस नई तकनीक से ये बहुत सटीक होगी।